

१३३०
१३३३

सुभाष चंद्र बोस

७०२५ ईमल नमैर

१३३५

आज का दिन जै ही कासी कासी माफी कडुका
किया वारी रा वाड अदक साजली फेरी प
जाके हिना पारत, पसावमी वाड। मिश्री
साम्रीम नगरे के रा हकिट दाफने कडुका है

सुभाष चंद्र बोस
लिखा (दिनांक-दिनांक)

